K–943

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

MAJY-202

M.A. (Jyotish) IInd Year Examination Dec., 2023

ज्योतिषशास्त्रीय विविध योग एवं दशाफल विचार

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाभस योगों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. राज योग से क्या अभिप्राय है ? वृहत्पराशर होराशास्त्र के अनुसार किन्हीं **चार** राज योगों का उल्लेख कीजिए।

3. पंचमहाभूत से आप क्या समझते हैं ? विस्तृत उल्लेख कीजिये।

4. चन्द्रमा से बनने वाले योगों का वर्णन कीजिए।

अथवा

दारिद्रय योग क्या है ? फलदीपिका के अनुसार दारिद्रय योग को लिखिए।

5. सत्वादि गुणफल से क्या तात्पर्य है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

अथवा

स्व कल्पित विंशोतरी दशा साधन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अष्टोत्तरी दशा का परिचय दीजिए।

2. योगिनी दशा का परिचय दीजिए।

अथवा

अन्तर्दशा को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

3. प्राण दशाफल का परिचय दीजिये।

4. शनि एवं राहु महादशा का फल लिखिए।

5. राजयोग से आप क्या समझते हैं ?

6. पंचमहापुरुष योग को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

7. शुभाशुभ स्वप्न से क्या तात्पर्य है ? पठित ग्रन्थ को आधार मानकर उदाहरण सहित लिखिये।

8. यात्रा कालीन शुभाशुभ शकुनों का विचार कीजिए।

****